ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, बुधवार 15 अक्टूबर 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 176

साइबर फ्रॉड के खिलाफ जंग : राजस्थान में 1.28 लाख मोबाइल और 21 लाख सिम ब्लॉक



24 न्यूज अपडेट

जयपुरः साइबर फ्रॉड आज एक नई चुनौती बनकर उभर रही है. साइबर अपराध के खिलाफ जंग में दूरसंचार विभाग भी अपनी अहम भागीदारी निभा रहा है. साइबर अपराध में प्रयुक्त किए गए मोबाइल हैंडसेट और सिम को विभाग की ओर से ब्लॉक करवाया जा रहा है. प्रदेश में अब तक 1.28 लाख से अधिक मोबाइल हैंडसेट को ब्लॉक करवाया गया है. जबकि 21 लाख से अधिक मोबाइल सिम ब्लॉक की गई हैं.

वहीं, साइबर अपराधियों को मोबाइल सिम मुहैया करवाने पर 769 सिम विक्रेताओं को ब्लैकलिस्टेड किया गया है. दूरसंचार विभाग के अपर महानिदेशक मुकेश कुमार चौहान ने बुधवार को एक प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी है. उन्होंने बताया कि दूरसंचार साधनों का दुरूपयोग रोकने के लिए देशभर में 39.48 लाख मोबाइल हैंडसेट ब्लॉक किए गए हैं. जबकि 5.21 करोड़ मोबाइल सिम बंद कर 74,977 से अधिक सिम विक्रेताओं को ब्लैकलिस्टेड किया गया है.

उन्होंने बताया कि खोए और चोरी हुए मोबाइल का पता लगाने के भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं. देशभर में 24.42 लाख से अधिक खोए और चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट का पता लगाया गया है. वहीं, 6.36 मोबाइल हैंडसेट रिकवर भी किए जा चुके हैं, जिनकी कीमत 900 करोड़ रुपए से अधिक है. उनका कहना है कि राजस्थान में 87,575 चोरी हुए या खोए मोबाइल हैंडसेट का पता लगाया गया है.

इनमें से 57 करोड़ रुपए के 37,549 मोबाइल हैंडसेट बरामद कर उनके मालिकों को सौंपे गए हैं. उनका कहना है कि राजस्थान में मोबाइल रिकवरी दर 42.88 फीसदी है. जबकि देश में मोबाइल रिकवरी की दर 26 फीसदी है. उन्होंने स्पष्ट किया कि दूरसंचार दुरूपयोग रोकना और मोबाइल नेटवर्क का सुरक्षित उपयोग सुनिश्चित करना दूरसंचार विभाग की प्राथमिकता है.

1KG सोने की कीमत 2040 में प्राइवेट जेट जितनी होगीःगोयनका बोले- आज इसका भाव लैंड रोवर जितना, 1990 में मारुति 800 बराबर था

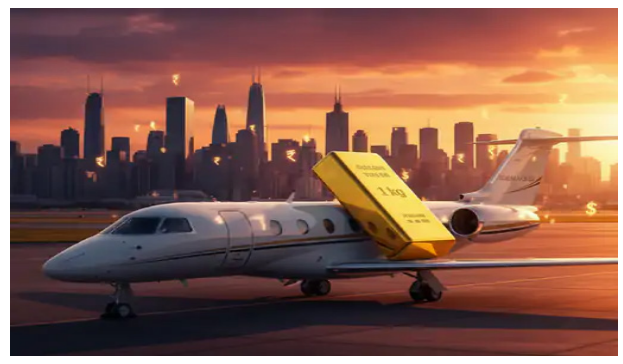

24 न्यूज अपडेट

इस साल अब तक सोने की कीमत करीब 50 हजार बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76 हजार का था, जो अब 1.26 लाख हो गया है।

ऐसे में RPG ग्रुप के चेयरमैन हर्ष गोयनका ने एक पोस्ट में 1 किलो सोने की वैल्यू का कारों कंपेरिजन किया है। गोयनका के अनुसार 1990 में 1 किलो सोने की वैल्यू एक मारुति 800 कार के बराबर थी और 2025 में ये लैंड रोवर जैसी लग्जरी कार के स्तर पर पहुंच गई है।

उन्होंने कहा, सीखः 1 किलो सोना रखो - 2030 में ये रॉल्स रॉयस कार के बराबर हो सकता है और 2040 में एक प्राइवेट जेट के। गोयनका की ये पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है।

गुटखा खाने को AC-बस में नहीं बैठना चाहता था जवानःपत्नी ने जिद की तो बैठ गया, जैसलमेर अग्निकांड में पूरा परिवार खत्म हुआ



24 न्यूज अपडेट

जैसलमेर-जोधपुर हाईवे पर मंगलवार दोपहर बस में लगी भीषण आग में एक ही परिवार के पांच लोग जिंदा जल गए। शवों की पहचान DNA सैंपल से होगी, इसके लिए रिश्तेदार बहन को लेकर जोधपुर पहुंचे, वहीं मां को अभी तक घटना की जानकारी नहीं दी है। बस में आग से जिंदा जलने से अब तक 21 यात्रियों की मौत हो चुकी है।

हादसे में जैसलमेर आयुध डिपो में तैनात जवान महेंद्र मेघवाल, उनकी पत्नी पार्वती, बड़ी बेटी खुशबू, छोटी बेटी दीक्षा और बेटे शौर्य की जलने से मौत हो गई। महेंद्र शेरगढ़ के सेतरावा इलाके में लवारन गांव के रहने वाले थे और जैसलमेर की इंद्रा कॉलोनी में परिवार के साथ किराए पर रहते थे। परिवार दीपावली मनाने के लिए अपने गांव जा रहा था, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महेंद्र एसी बस में बैठना नहीं चाहते थे। उन्होंने बस कंडक्टर से कहा कि वे गुटखा खाते हैं, इसलिए उन्हें खुले शीशे वाली बस में बैठना है, लेकिन उनकी पत्नी ने कहा कि टाइम पर घर पहुंच जाएंगे, इसलिए इसी में चलना सही रहेगा और वे बस में बैठ गए।

महेंद्र मेघवाल 12 साल पहले सेना भर्ती हुए थे। उनका बड़ा भाई जगदीश ओमान में जॉब करता है। गांव लवारन में महेंद्र के बड़े भाई की पत्नी, बच्चे और मां गवरीदेवी रहती हैं। रिश्तेदारों ने बताया कि करीब 20 दिन पहले ही महेंद्र दो दिन की छुट्टी लेकर गांव आया था। महेंद्र के बड़े भाई जगदीश को ओमान जाना था। तब बड़े भाई के साथ समय बिताने और विदा करने के लिए यह छुट्टी ली थी।

महेंद्र अपनी बुजुर्ग मां और भाभी-बच्चों के साथ दीपावली मनाने के लिए अपने परिवार के साथ गांव जाने के लिए रवाना हुए थे। भाई जगदीश के बच्चों के साथ दीपावली की खुशियां बांटने का सपना था, लेकिन उनका यह अधूरा ही रह गया।

मां को अभी तक पता नहीं छोटे बेटे का परिवार खत्म हो गया

गवरीदेवी को अभी तक यह पता नहीं है कि छोटा बेटा, बहू और पोते-पोती अब दुनिया में नहीं रही। गांव की महिलाओं को भी महेंद्र की मां और भाभी से दूर रखा जा रहा है, जिससे कि उन्हें इस घटना के बारे में पता नहीं चले।

भाई जगदीश को विदेश से लौटने में टाइम लग सकता है। ऐसे में परिवार का मुखिया नहीं होने से गांव में स्थिति और भी कठिन हो गई है।

महेंद्र और उनके परिवार की DNA सैंपलिंग के लिए अपने ससुराल गिलाकौर में रह रही बहन को लेकर रिश्तेदार जोधपुर पहुंचे।

सोना 562 महंगा होकर 1.27 लाख के करीबःचांदी 4,100 सस्ती हुई; इस महीने सोना रोज 700 चढ़ा, चांदी 2,500 महंगी हुई



24 न्यूज अपडेट

आज सोने के दाम में तेजी और चांदी में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 562 रुपए बढ़कर 1,26,714 के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया है। कल ये 1,26,152 रुपए पर था। इस महीने के पहले 15 दिन में सोना 10,000 रुपए से ज्यादा महंगा हुआ है, यानी रोजाना औसत 700 रुपए बढ़ा है।

वहीं, चांदी की कीमत 4,100 रुपए घटकर 1,74,000 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। कल चांदी 1,78,100 रुपए के ऑल टाइम हाई पर थी। वहीं, चांदी का भाव भी 34,000 रुपए यानी रोजाना 2,500 रुपए से ज्यादा बढ़ा है। फेस्टिव सीजन, इंडस्ट्रियल डिमांड और ग्लोबल सप्लाई में कमी और मांग बढ़ने की वजह कीमतों में लगातार तेजी है।

8 मिनट तक आसमान में अटके 140 पैसेंजर्सःजयपुर एयरपोर्ट पर रनवे टच डाउन करके भी लैंड नहीं हो पाई बेंगलुरु फ्लाइट



24 न्यूज अपडेट

जयपुर एयरपोर्ट पर बुधवार को बेंगलुरु से जयपुर आ रही इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट 6E - 415 जयपुर एयरपोर्ट के रनवे पर पहुंचने के बाद भी लैंड नहीं हो पाई। जिससे फ्लाइट में मौजूद 140 से ज्यादा पैसेंजर्स यात्री भी परेशान हो गए। इसके बाद लगभग 8 मिनट तक जयपुर के आसमान में चक्कर काटने के बाद 11 बजकर 10 मिनट पर फ्लाइट की सफल लैंडिंग हो पाई।

दरअसल, इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट 6E - 415 बेंगलुरु से सुबह 8 बजकर 35 मिनट पर जयपुर के लिए उड़ान भरती है। जो सुबह 11 बजे जयपुर एयरपोर्ट पहुंचती है। बुधवार सुबह फ्लाइट अपने निर्धारित वक्त से 2 मिनट लेट 11 बजकर 2 मिनट पर जयपुर एयरपोर्ट पर पहुंच गई।

इसके बाद पायलट ने रनवे पर लैंडिंग के लिए प्लेन को टच डाउन किया। लेकिन फ्लाइट सफल लैंड नहीं हो पाई। इसके बाद कुछ ही सेकेंड में पायलट ने फिर से विमान को टेक ऑफ कर लिया। 8 मिनट तक फ्लाइट जयपुर एयर स्पेस में ही फिर से लैंडिंग का इंतजार करती रही। इसके बाद पायलट ने 11 बजकर 10 मिनट पर जयपुर एयरपोर्ट पर फ्लाइट की सफल लैंडिंग की।

एक महीने में 4 फ्लाइट सफल लैंड नहीं पाई

बता दें कि इससे पहले पिछले एक महीने में जयपुर एयरपोर्ट पर रनवे टच डाउन करके भी 4 फ्लाइट सफल लैंड नहीं पाई। लेकिन उसके बाद भी जयपुर एयरपोर्ट पर पैसेंजर की सेफ्टी को लेकर एयरपोर्ट अथॉरिटी और एयर ट्रैफिक कंट्रोल यूनिट नहीं कोई कोई ठोस प्लान नहीं बनाया है। जिसकी वजह से लगातार पैसेंजर को परेशान होना पड़ रहा है।

साथ ही आज एक बार फिर स्पाइसजेट की दुबई फ्लाइट अपने निर्धारित वक्त पर उड़ान नहीं भर पाई। जिसकी वजह से बड़ी संख्या में दुबई जाने वाले पैसेंजर को परेशान होना पड़ा। इस दौरान पैसेंजर्स ने एयरलाइन कंपनी की लापरवाही को लेकर केंद्र सरकार से कार्रवाई की मांग भी की।

सेंसेक्स 575 अंक चढ़कर 82,605 पर बंदःनिफ्टी में 178 अंक का उछाल; रियल्टी सेक्टर 3% चढ़ा, बैंकिंग-FMCG में भी तेजी रही



24 न्यूज अपडेट

हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार, 15 अक्टूबर को सेंसेक्स 575 अंक चढ़कर 82,605 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 178 अंक की तेजी रही, ये 25,324 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 में से 24 शेयरों में तेजी रही। बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, जोमैटो और L&T के शेयरों में 4.2% तक की तेजी रही। इंफोसिस, टाटा मोटर्स और टेक महिंद्रा नीचे बंद हुए।

निफ्टी के 50 में से 38 शेयर्स चढ़कर बंद हुए। NSE का रियल्टी इंडेक्स सबसे ज्यादा 3.04% ऊपर बंद हुआ। इसके अलावा, बैंकिंग, FMCG, फाइनेंशियल सर्विसेज और मेटल में उछाल रहा।

32 देशों के सेना प्रमुख ने ताजमहल देखाःपरिवार के साथ फोटो खिंचवाई; भव्यता को देखकर बोले- वाह ताज



24 न्यूज अपडेट

आगरा में 32 देशों के सेना प्रमुख बुधवार विशेष विमान से आगरा पहुंचे। सैन्य प्रमुखों ने लगभग एक घंटे तक ताजमहल का दीदार किया। इस दौरान ताजमहल की भव्यता को देखकर उन्होंने कहा- वाह ताज। परिवार के सदस्यों के साथ फोटो खिंचवाई। इससे पहले ताजमहल के वरिष्ठ संरक्षण सहायक प्रिंस वाजपेयी और सीआइएसएफ के सीनियर कमांडेंट वीके दुबे ने सेना प्रमुखों की अगवानी की। सैन्य प्रमुखों के साथ 250 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल भी शामिल है। तीन दिवसीय एससीओ समिट दिल्ली में चल रही है, जिसमें यह सभी लोग शामिल होने के लिए भारत आए हैं। भारतीय आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी ने पत्नी सुनीता द्विवेदी के साथ ताज का दीदार किया। उन्होंने उसके इतिहास को जाना। इसके बाद उन्होंने गाइड हरीश सिंह मेहरा और प्रिंस बाजपेई को विशेष सम्मान स्मृति से सम्मानित किया। दोनों को ऑपरेशन सिंदूर मोमेंटो और आर्मी बैच दिया। उन्होंने कहा- ताजमहल की खूबसूरती विश्व शांति का प्रतीक है।

संपादकीय : शांति की राह

इजराइल और हमास के बीच दो वर्षों से चल रहे युद्ध पर फिलहाल विराम लग गया है। दोनों पक्ष शांति की राह पर लौट आए हैं। अमेरिका की ओर से तैयार की गई समझौता योजना के प्रथम चरण में हमास ने बीस बंधकों को रिहा कर दिया है और बदले में इजराइल ने उन्नीस सौ से ज्यादा फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया है। इसके साथ ही अब तक बारूदी आग की तपिश झेल रहे गाजा के नागरिकों ने भी राहत की सांस ली है। भारत और ब्रिटेन सहित कई देशों ने अमेरिका की इस पहल का स्वागत किया है। वैश्विक नेताओं को उम्मीद है कि शांति समझौता अपने अंजाम तक पहुंच जाएगा, लेकिन इस प्रक्रिया में अभी कई अड़चनें साफ नजर आ रही हैं। हमास के निरस्त्रीकरण, गाजा के शासन और फिलिस्तीन को राष्ट्र के रूप में मान्यता देने जैसे जटिल मुद्दे अब भी अनसुलझे हैं। ऐसे में इस पूरी कवायद को फिलहाल सिर्फ युद्ध रोकने के अस्थायी उपाय के तौर पर भी देखा जा रहा है । शांति समझौते के अगले चरण कितने सफल रहेंगे, यह इस बात पर भी निर्भर करेगा कि प्रस्ताव में रखी गई अन्य शर्तों पर हमास किस तरह का रुख अपनाता है। क्या हमास गाजा का नियंत्रण किसी बाहरी ताकत के हाथों में सौंपने के लिए राजी होगा ? जैसा कि शांति प्रस्ताव में कहा गया है। दूसरी तरफ गाजा से अपनी सेना पूरी तरह हटाने को लेकर इजराइल की ओर से भी अभी तक आधिकारिक तौर पर कोई हामी नहीं भरी गई है । इस स्थिति में शांति समझौते के सिरे चढ़ने को लेकर अभी निश्चित तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता। हालांकि, वैश्विक नेताओं का मानना है कि समझौते को लागू करने की शुरुआत अच्छी हुई और यह सकारात्मक दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि इस समझौते ने युद्ध को प्रभावी रूप से समाप्त कर दिया है और इसने पश्चिम एशिया में स्थायी शांति के द्वार खोल दिए हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह समझौता पूरी तरह लागू होगा। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि भारत इस क्षेत्र में शांति के ईमानदार प्रयासों का समर्थन करता है। इजराइल की ओर से युद्ध रोकने और फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई से गाजा में खुशी का माहौल तो है, लेकिन वहां की स्थिति अब भी दयनीय है। कई इलाके मलबे में तब्दील हो चुके हैं, अर्थव्यवस्था बर्बाद है और पुनर्निर्माण में वर्षों लग सकते हैं इस युद्ध की शुरुआत सात अक्तूबर, 2023 को हमास के हमले से हुई थी, जिसमें एक हजार से ज्यादा लोग मारे गए थे और कई नागरिकों को बंधक बना लिया गया था। इजराइल की जवाबी कार्रवाई में अब तक 67 हजार से अधिक लोग मारे गए हैं, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। गाजा में आज भी लोग भोजन - पानी से लेकर स्वास्थ्य सहायता तक की बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। ऐसे में युद्ध विराम निश्चित तौर पर वहां के लोगों के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है। इससे गाजा में बाहरी मदद भेजने का रास्ता भी खुलेगा, जिसकी अभी नितांत जरूरत है। ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि इजराइल और हमास शांति की राह पर आगे बढ़ेंगे और गाजा के नागरिकों के जीवन में फिर से खुशहाली और समृद्धि लौटेगी।

लापरवाही की परतें

सरकार की ओर से समाज के विभिन्न वर्गों के लिए नई-नई योजनाएं लागू की जाती हैं, मगर इनका लाभ पात्र लोगों तक पहुंच पाता है या नहीं, इस पर शायद ही कोई ध्यान दिया जाता है। इससे न केवल सरकारी धन का बेजा इस्तेमाल होता है, बल्कि वे लोग भी लाभ से वंचित रह जाते हैं, जिन्हें केंद्र में रखकर योजना तैयार की जाती है। यही वजह है कि सरकार की कई महत्त्वाकांक्षी योजनाएं अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाती हैं। संबंधित अधिकारियों की लापरवाही और निगरानी तंत्र का अभाव इसकी बड़ी वजह है। किसानों की आर्थिक मदद के लिए शुरू की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का भी यही हाल है। इसके तहत किसान परिवार का एक सदस्य ही लाभ ले सकता है। मगर केंद्रीय कृषि मंत्रालय की सत्यापन जांच में पाया गया कि बड़ी संख्या में पति और पत्नी दोनों ही इस योजना के लाभार्थी बने हुए हैं। सवाल है कि इस तरह की योजनाओं में आर्थिक सहायता से पहले पात्रता की जांच करने की जरूरत क्यों महसूस नहीं की जाती ? प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि केंद्र सरकार की एक महत्त्वाकांक्षी योजना है। इसमें हर वर्ष तीन किस्तों में किसान परिवार के एक सदस्य को दो-दो हजार रुपए की राशि देने का प्रावधान है। इस रकम को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के जरिए सीधे बैंक खाते में जमा किया जाता है। अगर यह नियम है, तो यह कैसे संभव हुआ कि एक ही घर से दो लोगों को राशि हस्तांतरित की जाती रही। जिन अधिकारियों के माध्यम से राशि जारी की जा रही थी, न तो उन्होंने और न ही संबंधित बैंक प्रबंधन ने कभी इस पर गौर करने की जरूरत महसूस की। इस योजना के अंतर्गत उन्नीस लाख से अधिक किसानों के सत्यापन से पता चला है कि इनमें 17.87 लाख पति-पत्नी ही लाभार्थी थे । इस हिसाब से करीब चौरानवे फीसद दंपति इस योजना का लाभ ले रहे थे। यह पहली बार नहीं है, जब किसी अहम योजना के क्रियान्वयन में इस तरह की लापरवाही सामने आई है। ऐसे में शासन-प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तरह की योजनाओं की नियमित निगरानी हो, ताकि पात्र लोगों को इनका लाभ मिल सके।

रेलवे बोर्ड ने उदयपुर को दी बड़ी सौगातः देबारी से उमरड़ा के बीच बनेगा 25 किमी डबल ट्रैक



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर में रेल यातायात को सुगम बनाने और ट्रेनों के बढ़ते दबाव को कम करने के लिए एक बड़ी परियोजना को मंजूरी मिल गई है। रेलवे बोर्ड ने देबारी स्टेशन से उमरड़ा स्टेशन के बीच लगभग 24.78 किलोमीटर लंबे डबल रेलवे ट्रैक के निर्माण को हरी झंडी दे दी है। यह परियोजना उत्तर-पश्चिम रेलवे के लिए स्पेशल रेलवे प्रोजेक्ट के रूप में अधिसूचित की गई है।

रेलवे बोर्ड के इस फैसले से अब उदयपुर से जयपुर, कोटा, मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र की दिशा में चलने वाली ट्रेनों को बड़ा लाभ मिलेगा। एकल ट्रैक के कारण अब तक कई बार ट्रेनों को रास्ते में रोककर दूसरे रेल संचालन को प्राथमिकता देनी पड़ती थी, जिससे यात्रियों को देरी का सामना करना पड़ता था।

सर्वे और डीपीआर पूरी

उत्तर-पश्चिम रेलवे के कंस्ट्रक्शन विभाग ने इस प्रोजेक्ट का विस्तृत सर्वे किया था, जिसमें ट्रैक बिछाने की संभावनाओं, पुलों, सुरंगों, भूमि अधिग्रहण, तथा आवश्यक इंजीनियरिंग ढांचे का अध्ययन किया गया। सर्वे रिपोर्ट और डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) रेलवे बोर्ड को सौंपी गई थी, जिसके बाद अब स्वीकृति मिल गई है।

विकास और रोजगार के नए अवसर

नई लाइन बनने से न केवल उदयपुर के पर्यटन और शिक्षा क्षेत्र को गति मिलेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और व्यावसायिक गतिविधियाँ भी बढ़ेंगी। उमरड़ा में रेलवे यार्ड और पिटलाइन शिफ्ट होने के प्रस्ताव के चलते स्टेशन की कार्यक्षमता बढ़ेगी।

साउथ ट्रैफिक को भी राहत

अहमदाबाद के कालूपुर स्टेशन से उदयपुर सिटी के बीच ट्रेन संचालन शुरू होने के बाद दक्षिण भारत की ट्रेनों का दबाव बढ़ गया है। डबल लाइन बनने से इस दबाव को नियंत्रित किया जा सकेगा।

वर्तमान में उदयपुर सिटी स्टेशन पर सेकंड एंट्री बिल्डिंग, अतिरिक्त प्लेटफार्म और गोदाम स्टैंड का निर्माण भी जारी है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि डबल ट्रैक परियोजना के पूरा होने से उदयपुर का रेलवे नेटवर्क और भी मजबूत होगा तथा आने वाले वर्षों में यह शहर पश्चिमी भारत का एक महत्वपूर्ण रेलवे हब बनकर उभरेगा।

हाईवे पर हादसा टलाः तेज रफ्तार ट्रेलर चाय की थड़ी में घुसा, CCTV में कैद हुई पूरी घटना

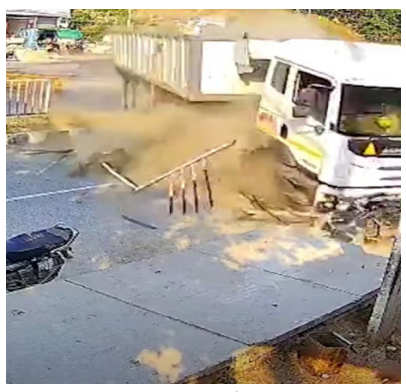

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद। राजसमंद के केलवा थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रेलर अचानक बेकाबू होकर सर्विस लेन में लगी चाय की थड़ी में जा घुसा। हादसे के वक्त थड़ी पर कई लोग मौजूद थे, लेकिन समय रहते भाग जाने से बड़ा हादसा टल गया। ट्रेलर की टक्कर से रेलिंग टूट गई और वहां बैठे दो लोगों को मामूली चोटें आई हैं। घटना सुबह करीब 8 बजकर 32 मिनट की है, जो पास के एक CCTV कैमरे में कैद हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे। सूचना मिलते ही केलवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रेलर को किनारे कर रास्ता साफ करवाया। तेज रफ्तार में नियंत्रण खोने से हादसा प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हाईवे पर लगे जिगजैग बेरिकेड्स की वजह से ट्रेलर चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। ट्रेलर रेलिंग तोड़ता हुआ सर्विस लेन में घुस गया और सीधा चाय की थड़ी से टकरा गया। थड़ी पर मौजूद लोगों ने बताया कि जैसे ही धमाके की आवाज आई और ट्रेलर उनकी ओर बढ़ता दिखा, लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। गनीमत रही कि कुछ ही सेकंड पहले वहां बैठे लोग हट गए, वरना कई जानें जा सकती थीं। पुलिस ने आधे घंटे में खुलवाया रास्ता

केलवा थाने के हेड कॉन्स्टेबल सांवरमल ने बताया कि "आज सुबह राजसमंद से उदयपुर की ओर जा रहा ट्रेलर अचानक अनियंत्रित होकर सर्विस लेन में लगी चाय की थड़ी में जा घुसा। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। चालक को सिर में हल्की चोट आई, जबकि मौके पर मौजूद एक युवक के पैर में चोट लगी। ट्रेलर को करीब आधे घंटे में साइड कर रास्ता खुलवाया गया।"

दीपावली से पहले चोरों की बड़ी वारदातः सुपर मार्केट से घी, तेल, काजू-बादाम और पटाखे तक उड़ाए

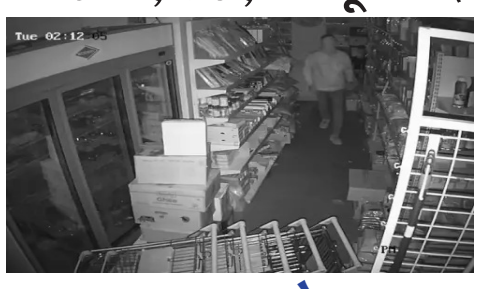

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़ .दीपावली नजदीक आते ही चोरों ने अपने हाथ साफ करने शुरू कर दिए हैं। अब वे सोने-चांदी की दुकानों के बजाय सुपर मार्केट को निशाना बना रहे हैं। ताजा मामला शंभू पेट्रोल पंप के पास स्थित आनंद सुपर मार्केट का है, जहां सोमवार देर रात चोरों ने घी, तेल, काजू, बादाम, फेस क्रीम, डियो, परफ्यूम और यहां तक कि पटाखे तक चोरी कर लिए। दुकान के मालिक आशीष कुमार छीपा ने बताया कि रोज की तरह रात करीब 10 बजे दुकान बंद कर घर चले गए थे। लेकिन सुबह कर्मचारियों ने देखा कि दुकान का ताला टूटा हुआ है और शटर आधा खुला हुआ है। जब अंदर देखा गया तो पूरा सामान बिखरा पड़ा था और कई पैकेट गायब थे।

जांच में पता चला कि चोर दुकान से 1 लीटर वाले 10 घी के पैकेट, 10 तेल के पीपे, दो बड़े घी के ड्रम, बादाम-काजू, फेसवॉश, क्रीम, डियो, परफ्यूम और पटाखे तक ले गए। कुल नुकसान करीब ढाई लाख रुपए का बताया जा रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। सीसीटीवी फुटेज में दो चोर नजर आए, जो सरिए की मदद से शटर उठाकर अंदर घुसे थे। दोनों ने चेहरे पर कपड़ा और गमछा लपेट रखा था। एक कैमरे में उनकी बातचीत भी रिकॉर्ड हुई, जिसमें एक चोर दूसरे को सामान उठाने और रखने के निर्देश दे रहा था। फुटेज में यह भी दिखा कि चोरों ने मोबाइल की टॉर्च जलाकर सामान चुना और उसे कट्टों में भरते गए। उन्होंने कैमरे का एंगल भी बदलने की कोशिश की ताकि उनकी पहचान न हो सके। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। दीपावली से पहले हुई इस चोरी ने इलाके के व्यापारियों में दहशत फैला दी है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की जल्द पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

प्रो. बी.एल. वर्मा ने एमपीयूएटी के कुलगुरु पद का अतिरिक्त कार्यभार संभाला



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 अक्टूबर 2025: वर्धमान महावीरखुला विश्वविद्यालय, कोटा के कुलगुरु प्रो. बी.एल. वर्मा ने 15 अक्टूबर को अपराह्न 4 बजे महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमपीयूएटी), उदयपुर के कुलगुरु का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया। कुलगुरु पद कार्यभार ग्रहण के अवसर पर निवर्तमान कुलगुरु डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक, कुल सचिव श्री अशोक कुमार, वित्त नियंत्रक सुश्री दर्शन गुप्ता, अन्य वरिष्ठ अधिकारी, निदेशक, अधिष्ठाता, शिक्षक, सहायक कर्मचारी, पेंशनर संघ एवं छात्र संघ के प्रतिनिधि उपस्थित थे। उन्हें पुष्पगुच्छ और पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया। इस अवसर पर पूर्व कुलपति डॉ. उमा शंकर शर्मा, श्री कारन सिंह शक्तावत, कर्मचारी समिति के अध्यक्ष श्री रजनी कान्त, उपाध्यक्ष श्री एल.एन. साल्वी, सुखाड़िया विश्वविद्यालय से श्री भारत व्यास, डॉ. हेमराज चौधरी, डॉ. आशीष सिसोदिया, डॉ. कुंजन आचार्य, डॉ. मुकेश कुमार मीना, डॉ. अनिल कोठारी, डॉ. सागर सामरिया सहित अन्य शुभचिंतक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कुलगुरु प्रो. वर्मा ने सभी डीन, डायरेक्टर, प्राध्यापकों, विद्यार्थियों और अन्य पदाधिकारियों से मुलाकात कर विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के ढांचे में कृषि अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार को नए दृष्टिकोण से आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। प्रो. वर्मा ने राज्य सरकार और राज्यपाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एमपीयूएटी ने राज्य की कृषि शिक्षा, अनुसंधान, विस्तार और कृषि उद्यमिता में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने सुशासन के साथ शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार और कौशल विकास के क्षेत्रों में समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करने का संकल्प व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री हरिभाऊ बागड़े ने 14 अक्टूबर 2025 को आदेश जारी कर प्रो. वर्मा को एमपीयूएटी का कुलगुरु नियुक्त किया था। इस अवसर पर कुलसचिव श्री अशोक कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय गौ रक्षक संत दयालपुरी का खेरवाडा प्रवास : गौ गर्जना यात्रा का हुआ भव्य स्वागत



24 न्यूज अपडेट

खेरवाड़ा, राष्ट्रीय गौ रक्षक संत दयालपुरी महाराज का राष्ट्रव्यापी गौ गर्जना यात्रा का खेरवाड़ा कस्बे में आगमन हुआ। यहां पहुंचने पर गौ भक्तजन एवं सेन समाजजन द्वारा भव्य स्वागत किया गया। रात्रि विश्राम पश्चात संत ने श्री राम गौ शाला में गौ माया के दर्शन किए । इस अवसर पर गौ शाका समिति द्वारा भव्य स्वागत अभिनंदन किया गया एवं संत ने उपस्थित गौ सेवकों को आशीर्वाद प्रदान किया। आपने गौ माता के महत्व को सनातन धर्म में गौ सेवा ,संत सेवा, पर्यावरण चेतना पर प्रकाश डाला साथ ही गौ रक्षार्थ सभी को शपथ दिलाई। गौ गर्जना यात्रा का मूल उद्देश्य गौ माता को राष्ट्र माता घोषित कराना है। सन्तश्री 16 वर्षों से गौ गर्जना यात्रा प्रवास पर है।

इस अवसर पर श्री राम गौ शाला को खेरवाड़ा सेन समाज की ओर से राशि सहयोगार्थ गौ सेवार्थ देने एवं प्रत्येक सेन समाज की दुकान पर दान पेटी रखने की घोषणा की है। साथ ही ऋषभदेव से पधारे सेन समाज के प्रतिनिधियों ने सहयोग राशि गौ शाला में देने की घोषणा की। इस अवसर पर भूपेंद्र कलाल द्वारा दान पेटी उपलब्ध कराने की घोषणा की गई। इस अवसर पर गौ शाला समिति अध्यक्ष शंकर लाल पंचाल, कोषाध्यक्ष हरीश पानेरी, सचिव कृष्ण गोपाल पंचाल, गौ शाला सेवक महंत राजू गिरि, अशोक कलाल,नारायण लाल टेलर, सेन समाज अध्यक्ष सहित समाज के कई सदस्य उपस्थित रहे।

सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार पर काजू कतली 760, काजू रोल 820, सोहन पपडी 400, बेसन चक्की 420, मक्खन बडे 480 रूपए प्रतिकिलो



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 अक्टूबर। सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार, उदयपुर की ओर से इस वर्ष भी दीपावली पर्व पर आमजन को शुद्ध मिठाईयां वाजिब दाम पर उपलब्ध कराई जाएगी। मिठाईयों के विक्रय दर के पोस्टर का विमोचन बुधवार को संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी ने किया। मिठाईयों की गुणवत्ता के संबध में भण्डार महाप्रबन्धक डॉ प्रमोद कुमार से सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त की। उन्होने वर्तमान स्थिति और आमजन के स्वास्थ्य को देखते हुए उदयपुर भण्डार के इन प्रयासों को सराहनीय बताया। इन मिठाइयों के विक्रय संबंध में आयुक्त महोदया ने व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिये । इस मौके पर संभागीय आयुक्त ने समस्त उत्पादों के संबधं में जानकारी प्राप्त करते हुए गुणवत्ता बनाये रखने एवं उपभोक्ताओं के हितो को ध्यान मे रखते हुए उत्पादों के विक्रय के संबंध मे निर्देश दिये । भण्डार प्रशासक गुंजन चौबे ने भंडार के सुपरमार्केटों की गतिविधियों के बारे मे विस्तार से जानकारी दी। भण्डार महाप्रबन्धक डॉ प्रमोद कुमार ने बताया कि दीपावली के अवसर पर काजू कतली ,काजू रोल के साथ मक्खन बडे, बेसन चक्की, सोहन पपडी एवं ड्राई फ्रुट पैक भण्डार के सभी सुपरमार्केट पर आज से ही उपलब्ध रहेगी एवं अग्रिम बुकींग भी की जावेगी। यह सभी मिठाईयां शुद्ध सरस घी से निर्मित है। इनमे काजू कतली 760 प्रति किलो, काजू रोल 820 प्रति किलो, सोहन पपडी 400 प्रति किलो, बेसन चक्की 420 प्रति किलो, मक्खन बडे 480 प्रतिकिलो एवं ड्राई फ्रुट पैक 400 रूपये की दर से उपलब्ध रहेगें । पोस्टर विमोचन के अवसर पर भण्डार प्रशासक एवं अतिरिक् रजिस्ट्रार, सहकारी समितियॉ, खण्ड उदयपुर गुंजन चौबे, महाप्रबन्धक डॉ प्रमोद कुमार, अल्का भारद्वाज, सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियॉ उदयपुर, नियुक्ति शाखा प्रभारी सतीश परिहार, क्रय व्यवस्थापक, कृष्ण गोपाल व्यास, राजीव सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं भण्डार के कार्मिक मौजूद रहे।

निजी ट्यूबवैल से भर रहा था टैंकर, पीएचईडी टीम ने डाला छापा, जब्त कर लिया ट्यूबवैल, पहली बार हुई कार्रवाई से मचा हड़कंप





24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। उदयपुर शहर में कई जगह निजी घरों-प्लॉटों से टेंकरों में पानी भरकर सप्लाई का व्यवसाय बरसों से चल रहा है। इसकी वजह से जिन मोहल्लों सें टेंकर सप्लाई हो रहे हैं वहां के निवासियों को भारी परेशानी हो रही है। आज पीएचईडी की टीम ने एक शानदार कार्रवाई करते हुए पूरे के पूरे ट्यबवैल को ही जब्त कर लिया। शहर में पहली बार हुई इस तरह की अनोखी कार्रवाई से ट्यूबवैल से टेंकर भरकर बेचने वालों में हड़कंप मच गया है क्योंकि ऐसा कई मोहल्लों में हो रहा है। आने वाले दिनों में उन सबके धंधे अब बंद होने की उम्मीद है। आपको बता दें कि कलेक्टर व अधीक्षण अभियंता के आदेश पर अधिशासी अभियंता अखिलेश शर्मा, सहायक अभियंता यामिनी उपाध्याय, जेईएन किरण मीणा सहित पूरी टीम शामिल ने यह कार्रवाई की। सहायक अभियंता, शहर उपखंड संख्या सप्तम की टीम ने एडीएम सिटी एवं अधीक्षण अभियंता (पीएचईडी) के निर्देशानुसार पहाड़ा बोहरा गणेशजी क्षेत्र में स्थित इस निजी ट्यूबवेल को जब्त किया है। सहयक अभियंता यामिनी उपाध्याय ने बताया कि बाबूलाल नामक व्यक्ति अपने निजी ट्यूबवेल से अवैध रूप से पानी के टैंकरों की आपूर्ति कर रहा था। विभागीय टीम ने मौके से पंपसेट, एचडीपीई पाइप तथा विद्युत केबल जब्त की है। टीम ने ट्यूबवैल से मोटर सहित एक-एक पार्ट को निकला व जब्त किया। सामग्री को कार्यालय में रखवाया गया व अब अवैध दोहन करने वाले पर पेनल्टी लगाई जाएगी। सहायक अभियंता यामिनी उपाध्याय ने बताया कि अगर कोई व्यक्ति ट्यूबवैल से बिना लाइसेंस के जल का व्यावसायिक दोहन करते पाया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। ट्यूबवैल के पानी पर किसी का एकाधिकार नहीं है। जल को स्वयं के लिए इस्तेमाल कर सकते हो। लेकिन दोहन कर उसका व्यवसाय बिना अनुमति के नहीं किया जा सकता। एक तरफ तो लोगों के पास पीने का पानी नहीं है दूसरी तरफ कुछ लोग इसे व्यवसाय बना रहे हैं। इस कार्रवाई के बाद अब आने वाले दिनों में और कई शिकायतों के आधार पर कार्रवाई होने की उम्मीद की जा रही है। आएगा तब पेन्ल्टी लगेगी।

राज्य सरकार करेगी माटी के लाल का सम्मान, 90 मृण कलाकारों को मशीनें वितरित



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. प्रदेश में मृण शिल्पकारों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार चयनित उत्कृष्ट कलाकारों को माटी के लाल अवार्ड से सम्मानित करेगी। इस संबंध में आवेदन प्रक्रिया जल्द ही श्रीयादे माटी कला बोर्ड के माध्यम से प्रारंभ होगी। यह घोषणा श्री प्रहलाद राय टाक, अध्यक्ष श्रीयादे माटी कला बोर्ड ने बुधवार को उदयपुर में प्रजापति वरदिया समाज भवन परिसर में आयोजित मशीन वितरण समारोह में की। मुख्यमंत्री की बजट घोषणा 2025-26 के तहत प्रदेशभर में 2000 मृण कलाकारों को विद्युत चलित चाक और मिट्टी गुंथने की मशीनें प्रदान की जा रही हैं। इसी कड़ी में बुधवार को उदयपुर जिले के 90 कलाकारों को प्रशिक्षण उपरांत मशीनें वितरित की गई। समारोह में शहर विधायक ताराचंद जैन, समाजसेवी गजपाल सिंह, विजय आहुजा, कन्हैयालाल वैष्णव, भरत जोशी सहित अन्य विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। श्री टाक ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि मृण शिल्पकार केवल परंपरागत वस्तुएं बनाने तक सीमित न रहें, बल्कि घरेलू और सजावटी उपयोग की नई वस्तुएं भी बनाएं, जिससे उनकी आमदनी बढ़े और उन्हें सालभर रोजगार मिले। उन्होंने यह भी बताया कि दिसंबर माह में चयनित नामों की घोषणा कर माटी के लाल सम्मान प्रदान किया जाएगा। इसके तहत पूरे प्रदेश से तीन कलाकारों को मुख्य पुरस्कार और सात को सांत्वना पुरस्कार दिए जाएंगे। श्री टाक ने समाजजनों से बच्चों को पढ़ाने का भी आग्रह किया और कहा कि जैसे मिट्टी को मनचाहा आकार दिया जा सकता है, वैसे ही बच्चों का भविष्य शिक्षा के माध्यम से संवार सकते हैं। उन्होंने प्रशिक्षण में भाग लेने वाले संभागियों को प्रमाणपत्र और चयनित लाभार्थियों को मशीनें वितरित कीं।

कुलगुरु डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक को एमपीयूएटी में भावभीनी विदाई



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमपीयूएटी) के निवर्तमान कुलगुरु डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक को उनके कार्यकाल के अंतिम दिन बुधवार, 15 अक्टूबर को विश्वविद्यालय के उच्चाधिकारियों द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक ने कहा कि उनके नेतृत्व में एमपीयूएटी नवाचार, सतत उन्नति और वैश्विक मान्यता के केंद्र के रूप में उभरा है। विश्वविद्यालय ने भारत में कृषि अनुसंधान, शिक्षा और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने अपने तीन वर्षों के कार्यकाल में हुई सामूहिक उपलब्धियों को विश्वविद्यालय की विजय बताया। डॉ. कर्नाटक ने विश्वविद्यालय के समस्त संकाय, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, छात्रों और सहयोगियों की अथक मेहनत और योगदान को सराहा और कहा कि वे आगे भी विश्वविद्यालय की सतत उन्नति, शिक्षा, अनुसंधान और नवाचारों को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर कुल सचिव श्री अशोक कुमार, वित्त नियंत्रक सुश्री दर्शन गुप्ता, अन्य वरिष्ठ अधिकारी, निदेशक और अधिष्ठाता गण उपस्थित थे। विदाई समारोह में डॉ. कर्नाटक ने सभी को अप्रतिम सहयोग और स्नेह के लिए हार्दिक आभार प्रकट किया। यह जानकारी रामनारायण कुम्हार सह जन संपर्क अधिकारी महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर ने दी।

डॉ. आशा शर्मा को ICAI अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च अवार्ड 2025 से सम्मानित



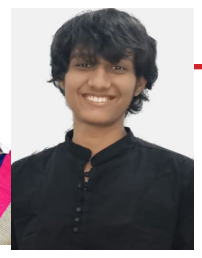

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 अक्टूबर 2025: मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय (MLSU) के लेखांकन एवं व्यवसायिक सांख्यिकी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. आशा शर्मा और सिक्योर मीटर के प्रशिक्षु इंजीनियर आदित्य मिश्रा को भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान (ICAI) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च अवार्ड 2025 (अर्थशास्त्र, ब्रोंज श्रेणी) से सम्मानित किया गया। विभागाध्यक्ष एवं कॉमर्स कॉलेज के अधिष्ठाता प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत ने बताया कि यह पुरस्कार गोवा के नोविटल गोवा, पणजी होटल में आयोजित रिसर्च अवार्ड सेरेमनी में प्रदान किया गया। यह सम्मान उनके संयुक्त पेपर, "The Role of Artificial Intelligence and Blockchain Technology in Crisis Management, Startup Growth and Sustainable Future" के लिए दिया गया, जो अमेरिका की जर्नल "American Open Science Philosophy" में प्रकाशित है। लेखांकन एवं व्यवसायिक सांख्यिकी विभाग के लिए यह गौरव का क्षण है क्योंकि यह अवार्ड विभाग को चौथी बार मिला है। इससे पूर्व यह पुरस्कार तीन लगातार वर्षों में 2020, 2021, 2022 (सिल्वर अवार्ड) और 2025 (ब्रोंज अवार्ड) में दिया जा चुका है। डॉ. आशा शर्मा ने प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 123 शोध प्रकाशनों में योगदान दिया है। वे विभिन्न अंतरराष्ट्रीय जर्नल के संपादकीय सलाहकार बोर्डों की सदस्य भी हैं और छह पुस्तकों की लेखिका हैं। इसके अलावा वे ब्लॉकचेन अकाउंटिंगः एक खोजपूर्ण शोध विभागीय परियोजना की सह-अन्वेषक भी हैं।श्री आदित्य मिश्रा के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जर्नल में 10 पेपर प्रकाशित हो चुके हैं।

धनतेरस पर 10 हजार दीयों से जगमगाएगा प्रताप गौरव केन्द्र

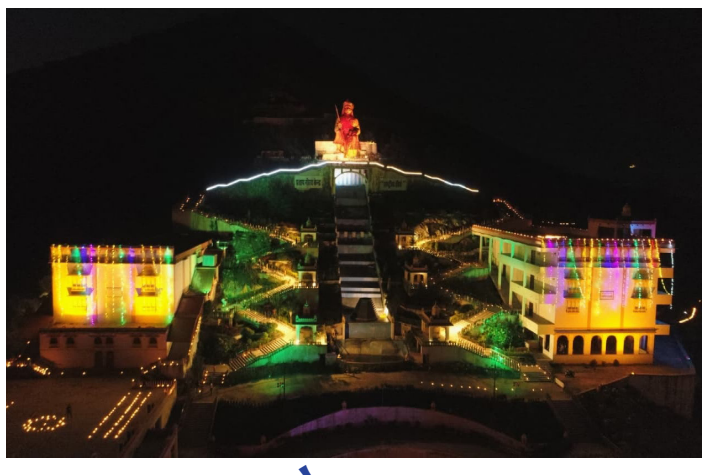

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप समिति के अंतर्गत संचालित प्रताप गौरव केन्द्र 'राष्ट्रीय तीर्थ' धनतेरस, 18 अक्टूबर को 10 हजार दीयों से रोशन होगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गौरव केन्द्र के 100 अलग-अलग कोनों में 100-100 दीपक प्रज्वलित किए जाएंगे। समिति के कोषाध्यक्ष एवं दीपोत्सव संयोजक अशोक पुरोहित ने बताया कि धनतेरस पर गौरव केन्द्र स्थित वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा के समक्ष विशाल दीपक प्रज्वलित किया जाएगा। इसकी लौ के साथ ही पूरे परिसर में 10 हजार दीपक प्रज्वलित होंगे। इस वर्ष हल्दीघाटी विजय का सार्द्ध चतुःशती (450वां) वर्ष भी है। इसी अवसर पर मेवाड़ के रणबांकुरों के शौर्य और ऐतिहासिक प्रतिमानों की चित्र प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जाएगा। प्रताप गौरव केन्द्र के निदेशक अनुराग सक्सेना ने बताया कि दीपोत्सव के लिए पूरे परिसर को रंग-बिरंगी विद्युत सज्जा से सजाया गया है। दीप प्रज्वलन के साथ ही आतिशबाजी भी की जाएगी। आयोजन की तैयारियों के तहत विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में गौरव केन्द्र के निदेशक डॉ. विवेक भटनागर, भागचंद जीनगर, दीपक जोशी, पुष्कर जोशी, चैनशंकर दशोरा, लव वर्मा, नारायण सेन, जयदीप आमेटा, सुषमा कुमावत सहित अन्य उपस्थित थे।

जयपुर-असारवा एक्सप्रेस में सभी वातानुकूलित श्रेणी के यात्रियों के लिए प्रिटेंड कंबल कवर सुविधा की होगी शुरुआत



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, जयपुर। भारतीय रेलवे की यात्री सुविधाओं को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव 16 अक्टूबर, गुरुवार को खातीपुरा रेलवे स्टेशन से कई नई सुविधाओं का शुभारंभ करेंगे। 24 न्यूज अपडेट के अनुसार, इस अवसर पर उत्तर पश्चिम रेलवे के 65 छोटे एवं मध्यम श्रेणी के स्टेशनों पर नए प्लेटफॉर्म निर्माण, प्लेटफॉर्म उन्नयन और विस्तार के साथ ही एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली (Integrated Passenger Information System) का भी लोकार्पण किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान रेल मंत्री जयपुर-असारवा एक्सप्रेस के सभी वातानुकूलित श्रेणी के यात्रियों के लिए प्रिटेंड कंबल कवर (Pretend Blanket Cover) सुविधा की भी शुरुआत करेंगे। यह सुविधा यात्रियों को स्वच्छता और आराम के उच्च मानकों के साथ एक बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करेगी। 24 न्यूज अपडेट के अनुसार, इस सेवा की शुरुआत से एसी श्रेणी के यात्रियों को हर यात्रा में नए कवर वाले कंबल उपलब्ध होंगे, जिससे रेल यात्राओं में स्वच्छता और गुणवत्ता का नया मानक स्थापित होगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण ने बताया कि रेलवे प्रशासन यात्रियों की जरूरतों और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए लगातार सुधार कर रहा है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से रेलवे स्टेशनों पर न केवल यात्री सुविधाएं बढ़ेंगी, बल्कि यात्रियों को बेहतर सूचना व्यवस्था और आधुनिक स्टेशन अनुभव भी मिलेगा। 24 न्यूज अपडेट को मिली जानकारी के अनुसार, खातीपुरा रेलवे स्टेशन पर आयोजित होने वाले इस लोकार्पण समारोह में कई जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे। इनमें माननीया सांसद जयपुर श्रीमती मंजू शर्मा, राज्यसभा सांसद श्री घनश्याम तिवाड़ी और माननीय विधायक बगरू श्री कैलाश चंद वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। रेल मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, यह पहल 'विकसित भारत - आधुनिक रेलवे' के दृष्टिकोण को मूर्त रूप देने की दिशा में एक और कदम है। इससे यात्रियों को न केवल अधिक सुविधा और आराम मिलेगा बल्कि रेलवे स्टेशनों का स्वरूप भी आधुनिक रूप में परिवर्तित होगा। 24 न्यूज अपडेट के अनुसार, सभी चयनित 65 स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर उन्नत किया जा रहा है, ताकि यात्रियों को निर्बाध और सहज यात्रा अनुभव प्राप्त हो सके। रेल मंत्री द्वारा किए जाने वाले इस लोकार्पण से उत्तर पश्चिम रेलवे के तहत आने वाले जयपुर मंडल में यात्रियों की सुविधा में उल्लेखनीय सुधार होगा। साथ ही, जयपुर-असारवा एक्सप्रेस में लागू की जा रही नई कंबल कवर सुविधा पूरे देश में अन्य ट्रेनों के लिए एक मॉडल के रूप में देखी जा रही है। रेल मंत्रालय ने बताया कि रेलवे का लक्ष्य यात्री संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता देना है और इस दिशा में स्वच्छता, सुरक्षा एवं सूचना तकनीक के उपयोग को निरंतर बढ़ाया जा रहा है। खातीपुरा स्टेशन पर यह कार्यक्रम रेलवे के 'स्मार्ट स्टेशन मिशन' की दिशा में भी एक सशक्त कदम है।

सुविवि में धमाका : राज्यपाल के आदेश के बाद सह आचार्य डॉ. महेन्द्र सिंह ढाका के खिलाफ एफआईआर



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय (एमएलएसयू), उदयपुर की ओर से भौतिक विज्ञान विभाग के सह आचार्य डॉ. महेन्द्र सिंह ढाका के खिलाफ धोखाधड़ी और मिथ्या शपथ पत्र प्रस्तुत करने के आरोप में पुलिस थाना प्रतापनगर, उदयपुर में एफआईआर दर्ज करवा दी है। इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया है। कुलसचिव की ओर से यह कार्रवाई की गई है जिसमें यह बताया गया है कि विश्वविद्यालय के अनुसार, वर्ष 2010 में सह आचार्य के पद की नियुक्ति के क्रम में डॉ. ढाका ने शपथ पत्र दिनांक 01.11.2007 प्रस्तुत किया था, जिसमें उन्होंने अपने शैक्षणिक अनुभव और अर्हताओं के संबंध में असत्य विवरण दिया। इस शपथ पत्र में तदर्थ और अंशकालिक सेवाओं की जानकारी छिपाई गई थी, ताकि विश्वविद्यालय से नौकरी प्राप्त की जा सके। विश्वविद्यालय की जांच समिति ने मामले की जांच कर अपनी संस्तुति में पाया कि डॉ. ढाका ने धोखाधड़ी के तत्व के तहत नौकरी हासिल की। इस बारे में गठित की गई जांच समिति ने सुझाव दिया था कि भारतीय दंड संहिता के तहत एफआईआर दर्ज कर उचित कानूनी कार्रवाई की जाए। मगर इस मामले में अवकाश प्राप्त वीसी सुनीता मिश्रा ने जान बूझकर एफआईआर नहीं करवाई थी व मामले का अटका रखा था। इसके बाद जब सुनीता मिश्रा के खिलाफ आंदोलन हुए व जांचें हुई तो यह मामला भी प्रमुखता से उछला था। हाल ही में उदयपुर आए राज्यपाल हरिभाउ बागड़े ने पहली बार सुविवि के डीन्स की बैठक ली व उनसे सूरतेहाल जाने। इसके अलावा उनसे कई प्रतिनिधिमंडल भी मिले जिसमें यह मांग रखी गई। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से अब आधिकारिक रूप से जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस थाना प्रतापनगर में प्रकरण दर्ज करवाया। एफआईआर के साथ ही विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी कर्मचारी द्वारा असत्य दस्तावेज प्रस्तुत कर सेवा लाभ प्राप्त करना स्वीकार्य नहीं होगा। आने वाले दिनों में इस कार्रवाई से प्रोफेसर ढाक की मुश्किलें बढ़ सकती है। डॉ महेन्द्र सिंह ढाका की नियुक्ति के संबंध में प्रमुख सचिव राज्यपाल सचिवालय राजस्थान जयपुर के आदेश क्रमांक एफ3 (6) आरबी/2021/1929 दिनांक 12.04.2022 द्वारा जांच के आदेश प्रदान किये गये। उक्त जांच के क्रम में जांच ममिति द्वारा उक्त नियुक्ति के संबंध में जांच कर संस्तुति पेश कर अंकन किया गया शपथ पत्र दिनांक 1.11.2007 में शैक्षिक अनुभव में तदर्थ एवं अंशकालिक सेवाओं के तथ्यों को छिपाकर असत्य शपथ पत्र प्रस्तुत कर सेवाओं के लाभ लेने के लिये धोखाधड़ी करने के कदाचार के लिये भारतीय दण्ड संहिता के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने की संस्तुति की गई है। इस प्रकरण के क्रम में विश्वविद्यालय प्रबंध मण्डल की बैठक दिनांक 01.07.2023 को हुई जिसमें उक्त संस्तुति प्रस्तुत की गई जिसमें कुलाधिपति एवं राज्यपाल के निर्देशानुसार उत्ता प्रोफेलर महेन्द्र सिंह डाका द्वारा तत्कालिन समय प्रस्तुत कथित मिध्या शपथ पत्र प्रस्तुत कर नौकरी प्राप्त करने बाबत प्रकरण दर्ज करवाने का निर्णय लिया गया है।

ईडी ने लौटाई रॉयल राज विलास की 175 करोड़ की संपत्तियां, 12 साल बाद 213 घर खरीदारों को मिला न्याय



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। उदयपुर के रियल एस्टेट सेक्टर में एक ऐतिहासिक राहत देते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 175 करोड़ मूल्य की अचल संपत्तियां वास्तविक घर खरीदारों को लौटा दी हैं। यह कार्रवाई 24 न्यूज अपडेट के अनुसार, रॉयल राजविलास (Royal Rajvilas) परियोजना से जुड़ी है, जिसे एम/एस उदयपुर एंटरटेनमेंट वर्ल्ड प्राइवेट लिमिटेड (UEWPL) द्वारा विकसित किया जा रहा था। इस फैसले से 12 वर्षों से अपने घरों की प्रतीक्षा कर रहे 213 खरीदारों को आखिरकार न्याय मिला है। ईडी, उदयपुर (जयपुर जोनल ऑफिस के अधीन) ने 24 न्यूज अपडेट की जानकारी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 354 फ्लैट, 17 वाणिज्यिक इकाइयां और दो प्लॉट सफल रिज़ॉल्यूशन एप्लिकेंट (SRA) को सौंपे। ये सभी संपत्तियां उन वास्तविक और निर्दोष खरीदारों से संबंधित हैं जिनका पैसा वर्षों से फंसा हुआ था।

यह मामला वर्ष 2011 से 2016 के बीच हुए सिंडिकेट बैंक धोखाधड़ी प्रकरण से जुड़ा है, जिसमें भारत बोंब और अन्य आरोपियों ने फर्जी चेक, बिल और जाली बीमा दस्तावेजों के माध्यम से बैंक (अब केनरा बैंक) से 1,267.79 करोड़ की ठगी की थी। इस धोखाधड़ी की जांच के दौरान ईडी ने 535 करोड़ मूल्य की संपत्तियां कुर्क की थीं, जिनमें यूईडब्ल्यूपीएल की 83.51 करोड़ की अविकसित संपत्तियां भी शामिल थीं। 24 न्यूज अपडेट के अनुसार, इसके लिए ईडी ने 2 अप्रैल 2019 को अंतरिम कुर्की आदेश संख्या 05/2019 जारी किया था।

अप्रैल 2021 में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (NCLT), मुंबई ने घर खरीदारों की याचिका पर यूईडब्ल्यूपीएल को कॉर्पोरेट दिवालिया समाधान प्रक्रिया (CIRP) के तहत लिया था। फरवरी 2022 में एनसीएलटी ने एक रिज़ॉल्यूशन प्लान को मंजूरी दी और ईडी की 2019 की कुर्की को रद्द कर दिया, जबकि ईडी को उस प्रक्रिया का पक्षकार ही नहीं बनाया गया था। 24 न्यूज अपडेट के अनुसार, इसके बाद राजस्थान हाईकोर्ट ने 6 जुलाई 2023 को एनसीएलटी के आदेश पर रोक लगाते हुए कहा कि एनसीएलटी को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा पीएमएलए, 2002 की धारा 8 के तहत जारी कुर्की आदेश को निरस्त करने का अधिकार नहीं है।

यह रोक सितंबर 2024 में हटाई गई, लेकिन मार्च 2025 में फिर से लागू की गई जब ईडी ने यह तर्क दिया कि उसे सुनवाई में शामिल ही नहीं किया गया था और अधिकार क्षेत्र का प्रश्न अभी अनसुलझा था। 24 न्यूज अपडेट के मुताबिक, इसके बाद यूईडब्ल्यूपीएल के नए प्रबंधन ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका (SLP संख्या 10734/2025) दायर की।

सुप्रीम कोर्ट ने खरीदारों की लंबी प्रतीक्षा को देखते हुए दोनों पक्षों को आपसी सहमति से समाधान निकालने के निर्देश दिए। ईडी ने न्यायालय के निर्देशों के अनुसार रिज़ॉल्यूशन प्रोफेशनल और कंपनी प्रबंधन के साथ मिलकर सभी खरीदारों के दावों की जांच की। 24 न्यूज अपडेट को प्राप्त जानकारी के अनुसार, विस्तृत पड़ताल के बाद ईडी ने उन संपत्तियों की वापसी पर 'नो ऑब्जेक्शन' दी जो वास्तविक खरीदारों से जुड़ी थीं, जबकि आठ खरीदारों से संबंधित 11 यूनिट्स को 8.65 करोड़ की अवैध आय (Proceeds of Crime) से संबंधित पाए जाने के कारण बाहर रखा गया।

सुप्रीम कोर्ट ने 10 अक्टूबर 2025 को ईडी की रिपोर्ट स्वीकार करते हुए पीएमएलए, 2002 की धारा 8(8) के तहत 175 करोड़ मूल्य की संपत्तियों की पुनर्स्थापना का आदेश जारी किया। इससे 213 वास्तविक घर खरीदारों को राहत मिली। 24 न्यूज अपडेट के अनुसार, न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि यह फैसला केवल इस मामले की विशेष परिस्थितियों के आधार पर दिया गया है और इसे भविष्य में नजीर नहीं माना जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की पारदर्शी और संवेदनशील कार्रवाई की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रवर्तन निदेशालय ने निर्दोष और वास्तविक खरीदारों के हितों की रक्षा के लिए सराहनीय प्रयास किया है। अदालत ने कहा— "हम प्रवर्तन निदेशालय और दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के प्रयासों की सराहना करते हैं जिन्होंने वास्तविक और निर्दोष खरीदारों के हितों की रक्षा सुनिश्चित की।" यह टिप्पणी भी 24 न्यूज अपडेट को प्राप्त अदालती दस्तावेजों में दर्ज है।

24 न्यूज अपडेट के अनुसार, यह निर्णय न केवल उदयपुर के रियल एस्टेट बाजार के लिए बल्कि देशभर के निवेशकों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण साबित हुआ है। ईडी ने 221 खरीदारों के दावों की गहन जांच कर पारदर्शिता और जवाबदेही का परिचय दिया। इस कार्रवाई से यह स्पष्ट संदेश गया है कि न्यायपालिका और प्रवर्तन एजेंसियों के समन्वय से जटिल वित्तीय विवादों का समाधान संभव है और निर्दोष निवेशकों के अधिकारों की रक्षा की जा सकती है।

एनपीएस के विरोध में कर्मचारियों का फूटा आक्रोश, आदेश की प्रतीकात्मक होली जलाई



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 अक्टूबर। राजस्थान सरकार द्वारा निगम, बोर्ड और विश्वविद्यालयों में नई पेंशन योजना (एनपीएस) लागू करने तथा पदोन्नति विसंगतियों को दूर नहीं करने के विरोध में बुधवार को अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ ने उदयपुर में जिला स्तरीय चेतावनी धरना दिया। इस अवसर पर कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा तथा स्वायत्त संस्थाओं में जारी एनपीएस पेंशन आदेश की प्रतीकात्मक होली जलाकर विरोध जताया। धरना कार्यक्रम का नेतृत्व संयुक्त महासंघ के जिलाध्यक्ष हेमंत कुमार पालीवाल ने किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार अधीनस्थ सेवाओं के पदोन्नति पदों के पुनर्गठन को लेकर सौतेला व्यवहार कर रही है। अधीनस्थ सेवाओं में मात्र 12 से 14 प्रतिशत पदोन्नति के पद हैं, जिसके कारण कई कर्मचारियों को पूरे सेवाकाल में एक भी पदोन्नति नहीं मिल पा रही है। उन्होंने कहा कि कई विभागों में वर्षों से पदोन्नतियाँ लंबित हैं, फिर भी सरकार इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है।

पालीवाल ने बताया कि महासंघ का मांग पत्र पिछले दो वर्षों से सरकार के पास लंबित है, लेकिन संवादहीनता के कारण कर्मचारियों में गहरी निराशा और आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र समाधान नहीं किया तो पदोन्नति विसंगति, वेतन विसंगति, संविदा कर्मियों के नियमितीकरण, एएमएस से उपस्थिति प्रणाली और आरजीएचएस योजना में कटौती के खिलाफ व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

संयुक्त महासंघ के जिला महामंत्री लच्छीराम गुर्जर ने कहा कि प्रदेश के आठ लाख से अधिक कर्मचारियों और लाखों संविदा कार्मिकों की प्रशासनिक एवं वित्तीय मांगों पर सकारात्मक कार्यवाही नहीं हो रही है। उन्होंने बताया कि 5 जनवरी 2025 को प्रस्तुत महासंघ का मांग पत्र अब तक शासन में लंबित है। गुर्जर ने कहा कि सरकार की उदासीनता के विरोध में संयुक्त महासंघ 30 अक्टूबर से प्रदेशव्यापी संघर्ष चेतना यात्रा प्रारंभ करने जा रहा है। आईटी प्रभारी जसवंत सिंह चौहान ने बताया कि राज्य सरकार ने 9 अक्टूबर 2025 को आदेश जारी कर निगम, बोर्ड, स्वायत्त संस्थाओं और विश्वविद्यालयों में कार्यरत एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को जीपीएफ लिंक पेंशन स्कीम के तहत जमा राशि लौटाने का निर्देश दिया है। इससे स्पष्ट होता है कि सरकार पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) लागू करने के प्रति गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार के इस निर्णय से कर्मचारियों में तीव्र आक्रोश फैल गया है, और इसी के विरोधस्वरूप आज एनपीएस आदेश की होली जलाई गई। धरने में बड़ी संख्या में कर्मचारी, संविदा कार्मिक एवं विभिन्न यूनियनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। इनमें जिलाध्यक्ष हेमंत कुमार पालीवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष श्यामलाल आमेटा, जिला महामंत्री लच्छीराम गुर्जर, आईटी प्रभारी जसवंत सिंह चौहान, हेमंत मेनारिया, मनजीत सिंह यादव, कमलेश चौधरी, कैलाश कुंवर, कमलेश सेन, सुमन सिंह, मनीष चौबीसा, महेंद्र सालवी, राजेंद्र सालवी, विनोद शर्मा, प्रकाश पालीवाल, शंभूलाल, अशोक कुमार, शंकरलाल खटीक, अशोक पटेल, मेघराज पटेल, धुलीराम डांगी, विनोद छापरवाल, रमेश, योगेंद्र सिंह, मदनलाल सिंगाडिया, विमला नाई, मंजू जीनगर, आशा जाट, अंकित भड़िया, कुलदीप सिंह, नीरज कुमार, विपुल चौधरी, हरीश सुथार, हितेश कुमार, पर्वत सिंह, मनसाराम, कमल छाबड़ा, मयंक मेहता, पवन मेघवाल, विजय मेघवाल, दीपक गुंजेतिया, दिलीप जोशी, अजय सिंह राजपूत, संशात जैन सहित कई पदाधिकारी शामिल रहे।

संविदा कर्मचारियों ने आर्ट्स कॉलेज में किया नारायण लाल सालवी का भव्य स्वागत

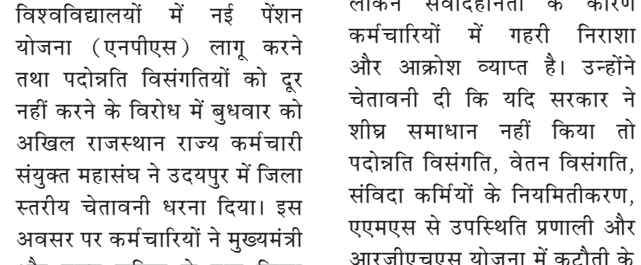

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। उदयपुर के सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय (आर्ट्स कॉलेज) में आज संविदा कर्मचारियों ने मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष श्री नारायण लाल सालवी के सालवी समाज में अध्यक्ष बनने पर भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर सभी साथियों ने सालवी का उत्साहपूर्ण स्वागत किया और उन्हें उपर्णा ओढ़ाकर, मेवाड़ी पगड़ी पहनाकर और प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह में उपस्थित कर्मचारियों ने नारायण लाल सालवी की भारी मतों से हुई जीत पर खुशी जताई और उनके नेतृत्व के प्रति समर्थन व्यक्त किया। समारोह में सभी कर्मचारियों ने मिलकर सालवी को हार्दिक शुभकामनाएं दी और संगठन में उनकी सक्रिय भूमिका की सराहना की। इस अवसर पर कर्मचारियों ने सभी के लिए अल्पाहार की व्यवस्था भी की, जिससे समारोह का माहौल और भी सजीव और पारंपरिक रूप से स्वागतपूर्ण बना। समारोह के दौरान सहयोगियों ने संगठन के भविष्य और कर्मचारियों के हितों के लिए मिलकर काम करने का संकल्प भी लिया।नारायण लाल सालवी ने सभी उपस्थित कर्मचारियों का धन्यवाद किया और कहा कि वे संगठन के उत्थान एवं कर्मचारियों के हितों के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे।

उदयपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई - अवैध शस्त्र निर्माण का भंडाफोड़, तीन टॉपीदार बंदूकें बरामद, एक गिरफ्तार, मुख्य आरोपी फरार



24 न्यूज अपडेट

जिले में अवैध हथियारों की तस्करी और निर्माण पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत उदयपुर पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। 24 न्यूज अपडेट के अनुसार, पानरवा थाना पुलिस ने खाचंण जंगल क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए तीन टॉपीदार बंदूकें, हथियार निर्माण में प्रयुक्त उपकरण और सामग्री बरामद की है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि मुख्य आरोपी फरार है जिसकी तलाश जारी है।

खाचंण जंगल में नाकाबंदी कर पकड़ा गया आरोपी

पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। उनके आदेशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) गोपाल स्वरूप मेवाड़ा और वृताधिकारी कोटड़ा राजेंद्र कुमार के निर्देशन में पानरवा थाना प्रभारी भागीरथ कुमार बुंदेला के नेतृत्व में टीम गठित की गई। 24 न्यूज अपडेट के मुताबिक, मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने मंगलवार को खाचंण जंगल क्षेत्र में नाकाबंदी की, जहां एक युवक को बिना लाइसेंस की टॉपीदार बंदूक के साथ अवैध रूप से परिवहन करते हुए गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान खाचंण निवासी होमा पुत्र फौजा डाबी के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके खिलाफ धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया और जांच सहायक उपनिरीक्षक निर्मल कुमार को सौंपी गई है।

पिता करता था घर पर हथियार निर्माण

पूछताछ में आरोपी होमा ने पुलिस को चौंकाने वाली जानकारी दी कि वह यह बंदूक अपने पिता फौजा डाबी से लेकर आया था, जो घर पर अवैध रूप से टॉपीदार बंदूकें बनाता है। 24 न्यूज अपडेट को मिली जानकारी के अनुसार, जब पुलिस ने फौजा डाबी के घर पर दबिश दी तो वहां हथियार निर्माण की सामग्री और औजार मिले। पुलिस ने मौके से दो और टॉपीदार बंदूकें, एक नाल पाइप, लोहा काटने की आरी, हथौड़ा, पाँच रेती, दो पेचकस, एक छैनी, दो संडासी, दो वीजणी और लौहा गर्म करने वाला पंखा बरामद किया। मुख्य आरोपी फौजा डाबी फिलहाल फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष पुलिस टीम गठित की गई है। पुलिस का मानना है कि यह गिरोह लंबे समय से जंगल क्षेत्र में हथियार निर्माण का काम कर रहा था।

टीम को मिली सफलता

इस पूरी कार्रवाई में पानरवा थाना प्रभारी भागीरथ कुमार बुंदेला, सहायक उपनिरीक्षक निर्मल कुमार, कांस्टेबल बनवारी लाल, दिलीप कुमार, अजित कुमार, उमेश, प्रेम कुमार तथा महिला कांस्टेबल मीरा शामिल रहे। 24 न्यूज अपडेट के अनुसार, पुलिस अधीक्षक ने इस टीम को उत्कृष्ट कार्य के लिए सराहना दी है।

अवैध हथियारों पर नकेल कसने का अभियान जारी रहेगा

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने कहा कि जिले में अवैध हथियारों के निर्माण और तस्करी में लिप्त तत्वों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्रवाइयों से न केवल अपराधियों में भय का वातावरण बनेगा, बल्कि आमजन में सुरक्षा और विश्वास की भावना भी मजबूत होगी।

बौद्धिक संपदा अधिकारों पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 अक्टूबर 2025 बौद्धिक सम्पदा सुविधा सेवा केंद्र (आई.पी.एफ.सी) उदयपुर द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एम.एस.एम.ई) के सहयोग से टेक्नो इंडिया एनजेआर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, उदयपुर में "एक दिवसीय बौद्धिक संपदा अधिकार (Intellectual Property Rights - IPR)" जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उद्योग जगत, उद्यमियों, स्टार्टअप्स और विद्यार्थियों को बौद्धिक संपदा अधिकारों — जैसे पेटेंट, ट्रेडमार्क, कॉपीराइट और डिज़ाइन — के महत्व और उनकी कानूनी प्रक्रिया से अवगत कराना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री मनोज जोशी, पूर्व अध्यक्ष, लघु उद्योग भारती, उदयपुर रहे। एमएसएमई टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट सेंटर, उदयपुर से श्री एम. गणेश ने विशेष रूप से सहभागिता की, जबकि कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध आई.पी.आर. अटॉर्नी श्री अखिलेश गुप्ता उपस्थित रहे। कॉलेज के निदेशक डॉ. आर. एस. व्यास ने भी कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। मुख्य वक्ता श्री अखिलेश गुप्ता ने अपने संबोधन में पेटेंट आवेदन प्रक्रिया, ट्रेडमार्क पंजीकरण की विधि, कॉपीराइट सुरक्षा तथा नवाचारों के कानूनी संरक्षण पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल और प्रतिस्पर्धात्मक दौर में ज्ञान ही वास्तविक पूंजी है, और उसकी सुरक्षा बौद्धिक संपदा अधिकारों के माध्यम से संभव है। मुख्य अतिथि श्री मनोज जोशी ने कहा कि "आज के समय में किसी भी उद्योग, स्टार्टअप या नवोन्मेषी व्यक्ति के लिए बौद्धिक संपदा की सुरक्षा उतनी ही आवश्यक है जितनी किसी उत्पाद की गुणवत्ता। इससे उद्यमी अपने नवाचारों को सुरक्षित रखकर वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ सकते हैं।" एमएसएमई टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट सेंटर के श्री एम. गणेश ने बताया कि "इस प्रकार के कार्यक्रमों से युवा पीढ़ी और उद्योगों को नवाचारों के कानूनी संरक्षण की जानकारी मिलती है, जिससे वे अपने बौद्धिक संसाधनों का सही उपयोग कर सकें।" उन्होंने यह भी घोषणा की कि भविष्य में ऐसे और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी, स्टार्टअप्स और उद्योग प्रतिनिधि लाभान्वित हो सकें। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, स्टार्टअप प्रतिनिधियों, उद्योग जगत के सदस्यों और शिक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री पुलकित सिंह, आईपीएफसी समन्वयक, एवं श्री अंकुर, टेक्नो इंडिया एनजेआर कॉलेज, का विशेष योगदान रहा।

सरगम हॉस्पिटल में निःशुल्क परामर्श एवं जांच शिविर का सफल आयोजन



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। सरगम हॉस्पिटल, आयड़ रोड, उदयपुर में शनिवार को विश्व आर्थराइटिस एवं ऑस्टियोपोरोसिस दिवस के अवसर पर निःशुल्क परामर्श एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस विशेष शिविर में वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ एवं हॉस्पिटल निदेशक डॉ. हर्ष जैन ने जोड़ों के दर्द, कमर दर्द, हड्डियों की कमजोरी और अन्य अस्थि रोगों से पीड़ित मरीजों की जांच और परामर्श प्रदान किया।

शिविर में कुल 20 से 24 मरीजों ने निःशुल्क परामर्श का लाभ उठाया। इसके साथ ही मरीजों की अस्थि घनत्व, न्यूरोपैथी जांच और यूरिक एसिड टेस्ट जैसी सुविधाएँ भी निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। डॉ. हर्ष जैन ने बताया कि बदलती जीवनशैली और बढ़ती उम्र के साथ हड्डियों की सेहत पर ध्यान देना अत्यंत आवश्य क है। समय पर जांच और उपचार से आर्थराइटिस और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियों से बचाव संभव है। उन्होंने आगे कहा कि सरगम हॉस्पिटल में हाई-टेक मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर, सिटी स्कैन और एक्स-रे की सुविधा उपलब्ध है। अनुभवी टीम द्वारा जॉइंट रिप्लेसमेंट, ऑर्थोस्कोपी, स्पाइन सर्जरी एवं हड्डियों के फ्रैक्चर का उपचार किया जाता है। साथ ही 24 घंटे लैबोरेट्री सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं। हॉस्पिटल ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन समय-समय पर किया जाएगा ताकि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ सुलभ हो सकें।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।